समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 18 August 2026

परासिया के SDM शुभम यादव : बच्चों की मौत और वायरल वीडियो के बीच चर्चा मे ं

Publisher

Published on 08 Oct 2025

मध्य प्रदेश के परासिया से हाल ही में एक वीडियो वायरल हो गया है, जिसमें **एसडीएम शुभम कुमार यादव** पत्रकारों से तैश में बात करते हुए नजर आ रहे हैं। यह वीडियो सोशल मीडिया पर काफी चर्चा का विषय बना हुआ है। शुभम यादव दो साल पहले IAS अधिकारी बने थे और प्रशासनिक मामलों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

इस वायरल वीडियो की पृष्ठभूमि बच्चों की मौत की एक दुखद घटना है। परासिया क्षेत्र में हाल ही में कुछ बच्चों की मृत्यु हुई, और इस पर स्थानीय पत्रकारों ने अधिकारी से स्थिति की जानकारी लेने की कोशिश की। इस दौरान शुभम यादव ने तैश में प्रतिक्रिया दी, जिससे उनका यह वीडियो वायरल हो गया।

शुभम यादव का प्रशासनिक करियर तुलनात्मक रूप से नया है। उन्होंने IAS में दो साल पहले प्रवेश किया और विभिन्न प्रशासनिक पदों पर अपनी सेवाएं दी हैं। प्रशासनिक जिम्मेदारियों के दौरान उन्होंने कई मामलों में त्वरित निर्णय लेने और समस्या समाधान की क्षमता दिखाई है। उनका यह रवैया उन्हें क्षेत्रीय प्रशासन में एक सक्रिय अधिकारी के रूप में स्थापित करता है।

हालांकि, बच्चों की मौत जैसी संवेदनशील स्थिति में पत्रकारों से तैश में बात करना सामाजिक दृष्टि से विवादित माना गया। विशेषज्ञों का कहना है कि अधिकारी की यह प्रतिक्रिया तनाव और स्थिति की गंभीरता के कारण हो सकती है, लेकिन इसे सार्वजनिक मंच पर साझा करना उनके लिए चुनौती बन गया। वीडियो में देखा जा सकता है कि शुभम यादव ने गंभीर विषय पर अपनी बात रखते हुए जोर दिया और मीडिया को स्पष्ट संदेश देने की कोशिश की।

स्थानीय लोगों और पत्रकारों के बीच इस वीडियो को लेकर मिश्रित प्रतिक्रिया सामने आई है। कुछ लोगों ने अधिकारी के स्पष्ट और सटीक उत्तर देने की सराहना की है, जबकि अन्य ने कहा कि संवेदनशील स्थिति में अधिक संयम और भावनात्मक संवेदनशीलता की आवश्यकता थी।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस घटना ने यह दिखाया है कि IAS अधिकारियों के लिए सार्वजनिक संवाद और संवेदनशील

परिस्थितियों का प्रबंधन कितना महत्वपूर्ण होता है। बच्चों की मौत जैसे मामलों में प्रशासनिक जवाबदेही और मीडिया संवाद दोनों का सही संतुलन बनाए रखना जरूरी है।

शुभम यादव का प्रशासनिक दृष्टिकोण अक्सर सक्रिय और त्वरित निर्णय लेने वाला रहा है। उन्होंने पहले भी क्षेत्रीय विकास, कानून व्यवस्था और प्रशासनिक सुधारों में पहल की है। इस वायरल वीडियो के बाद उनका नाम चर्चा में आया, जिससे यह स्पष्ट होता है कि उनकी गतिविधियां और प्रतिक्रिया जनता और मीडिया दोनों के लिए महत्वपूर्ण बन गई हैं।

वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर अधिकारी की छवि को लेकर बहस शुरू हो गई। कुछ उपयोगकर्ताओं ने उनके निर्णय लेने की क्षमता की सराहना की, तो कुछ ने मीडिया से संवाद के तरीके पर सवाल उठाए। यह घटना दिखाती है कि आधुनिक प्रशासनिक जिम्मेदारियों में अधिकारी के सार्वजनिक व्यवहार का महत्व कितना बढ़ गया है।

परासिया एसडीएम के मामले में यह भी देखा गया कि बच्चों की मौत के बीच अधिकारियों को संवेदनशील और जिम्मेदार रवैया अपनाना जरूरी है। शुभम यादव ने वीडियो में तैश के बावजूद मुद्दे को स्पष्ट किया और प्रशासनिक दृष्टिकोण से स्थिति को संभालने की कोशिश की। विशेषज्ञों के अनुसार, यह अनुभव उन्हें भविष्य में और अधिक प्रभावी अधिकारी बनाएगा।

कुल मिलाकर, **परासिया के SDM शुभम कुमार यादव** का यह वायरल वीडियो प्रशासनिक अधिकारियों की चुनौतियों और सार्वजनिक संवाद की जटिलताओं को उजागर करता है। बच्चों की मौत जैसी दुखद स्थिति, मीडिया की तत्परता और अधिकारियों का प्रतिक्रिया स्तर—ये सभी तत्व इस घटना में सामने आए। शुभम यादव के करियर की दृष्टि से यह एक महत्वपूर्ण अनुभव है, जो उन्हें भविष्य में संवेदनशील और प्रभावशाली निर्णय लेने में मदद करेगा।

इस घटना ने यह स्पष्ट किया कि IAS अधिकारियों के लिए क्षेत्रीय प्रशासन में तेज़ निर्णय लेने के साथ-साथ संवेदनशील परिस्थितियों में संयम और सार्वजनिक संवाद का महत्व बहुत बढ़ गया है। शुभम यादव की प्रतिक्रिया और उसका मीडिया में प्रसार प्रशासनिक अनुभव, युवा अधिकारी की मानसिक तैयारी और सार्वजनिक छवि का एक महत्वपूर्ण उदाहरण प्रस्तुत करता है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.